



# प्रधानमंत्री ने नीति आयोग द्वारा अयोजित “चैंपियंस ऑफ़ चेंज” पहल पर युवा उद्यमियों को संबोधित किया

Posted On: 17 AUG 2017 8:31PM by PIB Delhi

प्रधानमंत्री ने नीति आयोग द्वारा प्रवासी भारतीय केन्द्र में “चैंपियंस ऑफ़ चेंज” पहल पर युवा उद्यमियों को संबोधित किया।

युवा उद्यमियों के 6 समूहों ने साफ्ट पावर - अतुल्य भारत 2.0, शिक्षा और दक्षता विकास, स्वास्थ्य और पोषाहार, सतत कल को ऊर्जावान बनाना, 2022 तक न्यू इंडिया जैसे विषयों पर प्रधानमंत्री के समक्ष प्रेजेंटेशन दी।

उद्यमियों द्वारा दिये गये प्रेजेंटेशन में प्रस्तुत नये विचारों और नवाचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले जमाने में बड़े पैमाने पर लोगो की जरूरत सामाजिक पहल से पूरी हो जाती थी और समाज के प्रसिद्ध लोगों द्वारा इन आन्दोलनों का नेतृत्व किया जाता था।

प्रधानमंत्री ने कहा “चैंपियन्स ऑफ़ चेंज पहल को राष्ट्र और समाज के लाभ के लिए भिन्न ताकतों को साथ लाने के प्रयास की एक पहल बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पहल को हर सम्भव ढंग से आगे बढ़ाया और संस्थागत बनाया जाएगा।

यह भी कोशिश हो सकती है कि आज प्रेजेंटेशन देने वाले समूहों को केन्द्र सरकार के संबंधित विभागों और मंत्रालयों के साथ संबंध किया जाए।

उन्होंने पद्म पुरस्कार का उदाहरण देते हुए बताया कि किस तरह अब तक समाज में अनजान बने रहे हीरो को पहचान प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं को किस प्रकार दुरुस्त किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार में वरिष्ठ अधिकारियों की टीम लोगों की बेहतरी के लिए नये उपाय और तौर तरीके खोजने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित समूहों में अपने विचारों को जारी रखने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यदि वे ऐसा करते हैं तो इससे सुशासन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में काफी मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा अनेक छोटी पहलें की गयी हैं जिनके उल्लेखनीय परिणाम सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के स्वयं सत्यापन करने के माध्यम से आम आदमी पर विश्वास करना ऐसी ही एक पहल है। उन्होंने केन्द्र सरकार में समूह ग और ख के पदों के लिए Interview समाप्त किये जाने का भी उल्लेख किया।

श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि हरेक कमी को दूर करने के लिए एक APP उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार को सुशासन का माध्यम बनाने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में संपोषण के लिए विकेन्द्रिकृत ढांचा महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में उन्होंने बदलाव लाने की प्रक्रिया में स्टार्ट-अप की भूमिका का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने समाज में अच्छे अध्यापकों के महत्व पर जोर डाला। उन्होंने कहा शिक्षा की गुणवत्ता में प्रौद्योगिकी बड़ी तेजी से सुधार ला सकती है।

प्रधानमंत्री ने उद्योगों को अपने कर्मचारियों के बीच सरकार की समाज कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने इस बात पर जोर डाला कि करोड़ों सामान्य नागरिकों के प्रयासों के माध्यम से ही न्यू इंडिया का निर्माण हो सकता है।

इस अवसर पर अनेक केन्द्रीय मंत्री, नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री अरविंद पनगडिया और केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभिताभ कांत द्वारा इस कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

\*\*\*\*\*

अतुल तिवारी/ नदीम तुफैल टी/ सुरेन्द्र कुमार

(Release ID: 1499992) Visitor Counter : 24

